



मटका किंग का ट्रेलर रिलीज दिखी 1960 के मुंबई की झलक

मुंबई। अभिनेता विजय वर्मा की आगामी वेब सीरीज 'मटका किंग' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हो गया है। इसमें एक कपास व्यापारी के 'मटका किंग' बनने के सफर को दिखाया गया है। दरअसल, मटका किंग से यहां आशय जुआ सरगना बनने से है। इस सीरीज में विजय के साथ कृतिका कामरा, साई ताम्हणकर, गुलशन ग़ोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे सितारे भी हैं। यह सीरीज 17 अप्रैल से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। सीरीज 'मटका किंग' में विजय ने ब्रिज भट्टी का रोल अदा किया है। ट्रेलर की शुरुआत में ब्रिज भट्टी को एक कपास के कामगार के रूप में दिखाया गया है। 1960 के दशक के बॉम्बे (अब मुंबई) की झलक है।

लाइफ़ Style

तृषा

अफवाहों का दिया जोरदार जवाब

एजेसी मुंबई

वया साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन फिल्मों छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। इसी को लेकर उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। तृषा कृष्णन बीते कई दिनों से सुर्खियों में हैं।

हाल ही में वे थलापति विजय के साथ चेन्नई में एक वेंडिंग रिसेशन में शामिल हुई थीं। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच ये रिपोर्ट्स भी सामने आ रही थीं कि एक्ट्रेस अब फिल्मों छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। जिसके बाद अब इन रिपोर्ट्स का रिसाप्स देते हुए तृषा ने एक पोस्ट शेयर किया है। तृषा कृष्णन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर चली अफवाहों पर जोरदार जवाब दिया है। खबरें आ रही थीं कि वो जल्द ही फिल्मों से रिटायर होने वाली हैं और नए प्रोजेक्ट्स साइन नहीं कर रहीं, लेकिन तृषा ने इन सबको पूरी तरह गलत बताया। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तंज कसते हुए लिखा, 'सुना है मैंने फिल्मों छोड़ दी हैं, किसी अमीर बिजनेसमैन से शादी कर ली है और 4 बच्चों की मां भी बन गई हूँ, जो कल ही 2 साल के हो गए! कुछ और जोड़ना है या आज की सारी मनगढ़ंत कहानियां यहीं खत्म हो गई?' इसका मतलब जो भी रिपोर्ट्स सामने आ रही थीं, वो सारी गलत थीं। बता दें कि बीते कुछ दिनों से विजय और तृषा के बीच रिलेशनशिप में होने की अफवाहें चल रही हैं। ये इस वजह से भी हो रहा है कि विजय की पत्नी संगीता ने उन्हें तलाक देने की बात कही थी और किसी एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का जिक्र किया था।



हॉलीवुड मसाला

घिनौने व्यक्ति से मेरा कोई संबंध नहीं

लॉस एंजिल्स। एपस्टीन फाइलिंग से केवल जीजी हदीद ही नहीं, बल्कि उनकी बहन बेला हदीद का भी नाम जुड़ा है। जीजी हदीद ने अब इसपर खुलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा, 'उन फाइलों में मेरा नाम होना... मुझे लगता है कि उस समय मेरी उम्र 20-21 साल रही थी जब उसने वह ईमेल लिखा होगा, यह बहुत परेशान करने वाला है। मैं साफ तौर पर कहना चाहती हूँ कि मेरा उस घिनौने व्यक्ति से कभी कोई संबंध नहीं है। जीजी ने नैतिकता पर बातें करते हुए कहा कि मिले वो प्रिविलेज्ड लाइफ में पली हो, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें स्ट्रॉन वैल्यूज दिए हैं।



बीटीएस को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। बीटीएस ग्रुप लगातार मिल रही कामयाबी की वजह से वर्तमान में है। पूरी दुनिया में नाम कमाने के बाद बीटीएस को उसी देश में सम्मानित किया जा रहा है, जहां से उनके सफर की शुरुआत हुई थी। इस ग्रुप को एरिया इंटरनेशनल बॉयकार्डिंग की 30वीं वर्षगांठ के मौके पर मशहूर 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समारोह सियोल में एरियांग टीवी के मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मान कई मायनों में खास है। 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' का मकसद बीटीएस को इज्जत देना है। इस ग्रुप ने वह काम किया है जो किसी और बैंड ने नहीं किया है। ग्रुप ने अपने म्यूजिक के जरिए पूरी दुनिया में कोरियाई संस्कृति का प्रसार किया है। 2013 में अपने डेब्यू के बाद से, इस ग्रुप ने लगातार बाधाओं को तोड़ा है और के-पॉप कलाकारों के लिए उदाहरण पेश किया है। एरियांग टीवी लंबे समय से कोरियाई मनोरंजन और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच एक सेतु का काम करता रहा है।



कालीघाट मंदिर दर्शन करने पहुंची कंगना

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं। इस दौरान वे कालीघाट काली मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं। कंगना ने इस प्रसिद्ध मंदिर में महामाया मां काली का आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की। उन्होंने मां काली के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। पश्चिम बंगाल में इस महीने विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, परिणाम 04 मई को आएगा। इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं और मंदिर दर्शन किए। उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। कंगना रनौत साड़ी पहनकर ट्रेडिशन लुक में नजर आईं। पिंक कलर की सिल्क साड़ी के साथ उन्होंने पारंपरिक गहनों से अपना लुक कंप्लीट किया है।



आशा ने तब्बू को तोहफे में दिया गिटार...

मुंबई। मशहूर एक्ट्रेस तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ। इस बीच तब्बू अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। इसमें वे अपना गिटार फ्लॉट करती दिखी हैं, जो उन्हें दिग्गज गायिका आशा भोसले ने जन्मदिन के मौके पर दिया था। इसके साथ तब्बू ने एक नोट भी लिखा है। 'मुझे अपने सबसे यादगार दिनों के बारे में बताइए, मुझे उन पलों के बारे में बताइए जिन्हें आप कभी नहीं भूलेंगे। मुझे बताइए कि आपके दिल को सबसे ज्यादा क्या छू जाता है? मुझे अपनी सबसे कीमती चीजों के बारे में बताइए।' तब्बू ने आगे लिखा है, 'नवंबर में मेरा जन्मदिन था और तभी मेरे दरवाजे से होते हुए यह खूबसूरत चीज, यह गिटार मिला। यह तोहफा आशाजी ने मुझे दिया।

टीवी मसाला



दिशा को उसके मुकाम तक पहुंचने के लिए पिता ने छोड़ दी थी नौकरी

नई दिल्ली। दिशा वकानी पर इस वक्त दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्होंने अपने पिता को हमेशा के लिए छोड़ दिया है, जिन्होंने अपनी बेटियां को उसके मुकाम तक पहुंचाने में अपनी नौकरी तक छोड़ दी थी। दिशा वकानी के पिता मीम वकानी शिफ्ट आर्टिस्ट रहे हैं, जिन्होंने कई बड़े-बड़े कलाकारों के साथ काम भी किया है। मीम वकानी आभिर खान की फिल्म 'लगाव' में भी नजर आनेवाले हैं। तमाम बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुके मीम वकानी को इस बात की खुशी थी कि आज उनकी बेटी उनसे बड़ी स्टार बन गई हैं। मीम वकानी ने एक बार अपने इंटरव्यू में बेटी दिशा वकानी को लेकर काफी सारी बातें की थीं। उन्होंने एक बार मीडिया से बातचीत में बताया था कि बेटी का सपना पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी नौकरी तक छोड़ दी और मुंबई आ गए। दिशा वकानी को एक्टिंग की दुनिया में लाने वाले कोई और नहीं बल्कि उनके पिता ही थे। कई साल पहले मीडिया से हुई बात में दिशा वकानी के पिता ने कहा था, 'ये सब करने में उसको बहुत टाइम लगा है। इससे ड्रामा, डिप्लोमा, डिग्री किया। ये बहुत छोटी थी तब से मेरे साथ इंटीरियर गांव में, आदिवासी गांवों में ये चार शो करने को आती थी। वहां से शुरू किया इसने ड्रामा, डिप्लोमा किया, डिग्री लिया और फिर मुंबई आई।' उन्होंने आगे कहा था, 'मुंबई में 10 साल ड्रामा वगैरह करते-करते ये यहां तक पहुंची है। इसकी चाहत थी कि मुझे मुंबई जाना है। इसलिए मैं नौकरी छोड़कर इसको यहां लाया। पहले लोग मेरे नाम से मेरी बेटी को पहचानते थे कि ये मीम वकानी की बेटी है। अभी उल्टा हो गया है कि ये दिशा वकानी के पापा हैं, मुझे इसका भी गर्व है। ये मेरी बेटी है, मेरे से भी आगे निकल गई है।'

दो साल बाद लौटेगा 'खतरों के खिलाड़ी'

नई दिल्ली। दो साल बाद रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की टीवी पर वापसी हो रही है। इस शो को एक्शन फिल्मों के लिए मशहूर रोहित शेट्टी होस्ट करते हैं। इस सीजन की तैयारियां जारी पर हैं। सूत्रों के मुताबिक मई के दूसरे हफ्ते में होस्ट रोहित शेट्टी और कंटेस्टेंट्स कंप टाउन, साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हो सकते हैं। इस बार भी शो का शेड्यूल लंबा रखा गया है। पूरी श्रृंखला करीब 50 दिनों में खत्म करने की योजना है। रोहित शेट्टी के शेड्यूल को लेकर भी साफ रणनीति बनाई जा रही है। सूत्र ने कहा, 'रोहित सर ने अपने कैलेंडर को इसी हिसाब से सेट किया है कि 'खतरों के खिलाड़ी' के लिए निकलने से पहले 'गोलमाल' का बड़ा हिस्सा शूट हो जाए। क्योंकि शो के दौरान वे पूरी तरह उसी प्रोजेक्ट में व्यस्त रहते हैं। वापस आने के बाद उनका फोकस सीधे फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन पर शिफ्ट होगा।

अरशद और नवाजुद्दीन की बेटियों ने चुराई लाइमलाइट

मुंबई। कभी-कभी सितारे नहीं, बल्कि उनके साथ आए लोग ही चुपचाप सबका ध्यान खींच लेते हैं, और ऐसा ही कुछ हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन में देखने को मिला। एक्टर अरशद वारसी रविवार को अपनी बेटी जेन जो वारसी के साथ इस फंक्शन में शामिल हुए और देखते ही देखते वह शाम की सबसे चर्चित हरिश्चंद्रा में से एक बन गईं। रेड कार्पेट से वीडियो ऑनलाइन वायरल होते ही लोगों ने उनकी मौजूदगी पर तुरंत ध्यान दिया और कई लोगों ने उनकी खूबसूरती की तारीफ की। वहीं, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी की भी खूब तारीफ हुई। दोनों की शालीनता ने अलग ही खबरें फैला दीं। अरशद वारसी की बेटी जेन के फोटोग्राफर्स से बातचीत करते और रेड कार्पेट पर चलते हुए वीडियो जल्द ही वायरल हो गए। कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में उनकी खूबसूरती और स्क्रीन प्रेजेंस की खूब तारीफ की। एक यूजर ने लिखा- 'हैडसम पापा की ब्यूटीफुल बेटी, भगवान तुम्हें हमेशा खुश रखे। एक नए कमेंट किया- कितनी खूबसूरत है। एक तीसरे यूजर ने उनके भविष्य के बारे में कमेंट किया, उन्होंने पूछा- कब डेब्यू करने वाली है? एकदम हॉट है। एक फैन ने लिखा- श्रद्धा कपूर की कॉपी मिल गई अबा वहाँ, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा सिद्दीकी को देखकर भी लोग दंग रह गए और उनकी खूबसूरती की खूब तारीफ की। शोरा पहले तो रेड कार्पेट पर आने में हिचक रही थीं, फिर उनके पिता नवाज उनके पास आए और समझाया। शोरा की खूबसूरती की तुलना सीधे ऐश्वर्या राय से हुई। पिछले साल नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शोरा की एक्टिंग को लेकर खुलासा किया था।

रामायणम: यश बनेंगे अब तक के सबसे अनोखे रावण, शिव भक्त की दिखेगी छवि

नई दिल्ली। 'रामायणम' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में लॉस एंजिल्स और मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में रणबीर कपूर के किरदार 'राम' का पहला टीजर जारी किया। फिल्म इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन चुकी है, ऐसे में निर्देशक नितेश तिवारी ने बताया है कि उनकी फिल्म रावण को एक बड़े खलनायक के रूप में दिखाने के बजाय, अधिक लेयर्स में और मानवीय रूप में दिखाने की 'केजीएफ' स्टार यश फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म निर्माता के अनुसार, यश का अभिनय न केवल रावण के बुरे पहलुओं को दिखाएगा, बल्कि भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति, संगीत का टैलेंट और एक सक्षम शासक के रूप में उनके गुणों को भी दिखाएगा- साथ ही यह भी दिखाएगा कि कैसे अहंकार और क्रोध अंत में उसके पतन का कारण बनते हैं। लॉस एंजिल्स में फिल्म के टीजर लॉन्च के मौके पर बोलते हुए नितेश तिवारी ने कोलाइडर से कहा, 'देखिए, रावण के जीवन के कई पहलु थे। वह एक महान योद्धा था, एक कुशल संगीतकार था, एक विद्वान था, एक दयालु राजा था... एक महान शिव भक्त था। रावण के इन सभी पहलुओं को दिखाना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनमें एक बहुत सबक छिपा है। आपमें कितने भी अच्छे गुण हों, लेकिन अगर आप बदले की भावना और अहंकार से प्रेरित हैं, तो आप जानते हैं कि इसका अंत क्या होगा। इसी कार्यक्रम में रणबीर कपूर ने यश के रावण के किरदार में ढलने की तारीफ करते हुए उनकी दमदार प्रेजेंस की सराहना की। यश के पास बेहोक स्टारडम है। रावण का किरदार निभाने के लिए ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जिसमें वो और और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस हो। रावण के रूप में उन्हें देखना बहुत अलग है। मुझे लगता है कि दिशक इसे बड़े पैरों पर देखना पसंद करेंगे। विश्वरूप बात यह है कि यश इस प्रोजेक्ट में निर्माता के तौर पर भी शामिल हैं। अप्रैल 2025 में अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने वैरागटी को बताया, 'भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर दिखाने वाली फिल्में बनाना मेरी लंबे समय से ख्वाहिश रही है।

पैसे कमाने और पहचान बनाने की चाह में बाँड़ी डबल के साथ सिनेमा में रखा था कदम

सेट पर निर्देशक को खुश करने के लिए चापलूसी की हटें कर दी थीं पार

नई दिल्ली। जितेंद्र के पिता की नकली जूली की दुकान थी, जो फिल्मों के सेट पर भी अपने नकली गहने बेचा करते थे। उस वक्त जितेंद्र सेट पर हर तरीके का काम करते थे और एक महीने का तनख्वाह 150 रुपए थी। एक्टर ने डायरेक्टर वी. शांताराम की चापलूसी की सारी हटें पार कर दी थीं।

जितेंद्र के बारे में अनसुनी बातें हिंदी सिनेमा में पहचान बनाने के लिए सभी को दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है। किसी भी नए एक्टर को पहली फिल्म मिलना किस्मत के चमक जाने के जैसा होता है, लेकिन जितेंद्र के लिए यह घाटे का सौदा रह गया था। मात्र 150 रुपए से फिल्मों में कदम रखने वाले जितेंद्र ने कभी नहीं सोचा था कि वे फिल्मों में काम करेंगे, लेकिन पैसे कमाने और पहचान बनाने की चाह में एक्टर ने बाँड़ी डबल के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था।

चापलूसी करने से भी पीछे नहीं हटते थे बहुत कम लोग जानते हैं कि जितेंद्र ने फिल्म 'सेहरा' के सेट पर हर तरीके का काम किया था। वे आर्टिस्ट का सारा काम करते थे और उनकी जरूरतों का ध्यान भी रखते थे। उस वक्त एक महीने का तनख्वाह 150 रुपए थी। इसी फिल्म के दौरान एक्टर ने वी. शांताराम को प्रभावित करने के लिए चापलूसी की सारी हटें पार कर दी थीं। खुद एक्टर ने स्वीकारा था कि निर्देशक को इम्प्रेस करने के लिए वो सेट पर चापलूसी करने से भी पीछे नहीं हटते थे। सफल शुरुआत करने के बावजूद बुरा दौर देखा हालांकि, 1970 के दशक की सफल शुरुआत करने के बावजूद जितेंद्र ने 1972 से 1973 तक काफी बुरा दौर देखा। इस बीच उनकी अधिकांश फिल्में एक ही सीन दो दिवाने (1972), शहीद के बाद (1972), यार मेरा (1972), रूप तेरा मस्ताना (1972), अनोखी अदा (1973) और गहरी चाल (1973) जैसी कई फिल्में बैंक्स ऑफिस पर असफल रही।

ऊंट पर खलांग लगा दी उन्होंने बताया कि एक बार फिल्म में एक्ट्रेस संख्या को एक सीन करना था, जिसमें ऊंट पर कूचना था। निर्देशक ऐसे शब्द की तलाश में थे, जो यह सीन कर सकें और खिलकून संख्या जैसा दिखे। वी. शांताराम को इम्प्रेस करने के लिए एक्टर ने सीन को करने के लिए हां कर दिया और ऊंट पर खलांग लगा दी। वी. शांताराम पैसे के लिए नहीं किया था, बल्कि खुद को साबित करने के लिए किया था, जिसके बाद निर्देशक ने फिल्म 'गीत गाया पथरों ने' में लीड रोल दिया और तनख्वाह थी 100 रुपए। एक्टर ने बताया कि इस वक्त पैसे से फर्क नहीं पड़ता था, क्योंकि जितेंद्र को जितेंद्र बनाने वाले वी. शांताराम थे और उनकी की बदौलत सिनेमा में कदम रखा था। धर्मवीर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर रही : इसके बाद उन्हें भाई हो ले ऐसा (1972) और जेसे को तैसा (1973) जैसी फिल्मों से कुछ सफलताएं मिलीं और गुलजार के परिचय (1972) में उन्हें काफी तारीफ मिली। इसके बाद (1974) में एल.वी. प्रसाद की फिल्म बिदाई में लीन चंद्राकर के साथ नजर आए जो सुपरहिट रही। 1977 जितेंद्र के लिए कई सफलताओं से भरा एक बड़ा साल साबित हुआ। मनमोहन देसाई की शानदार फिल्म धर्मवीर ने उन्हें एक ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर दी।

नकली जूली की दुकान : जितेंद्र के पिता की नकली जूली की दुकान थी, जो फिल्मों के सेट पर भी अपने नकली गहने बेचा करते थे। जितेंद्र भी अपने पिता के काम में हाथ बांटते थे। उन्होंने मुंबई के सेट सेबेस्टियन गोअन हाई स्कूल में अपने दोस्त राजेश खन्ना के साथ पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सिद्धार्थ कॉलेज से उन्होंने आगे की पढ़ाई की। हालांकि, वे बचपन से ही फिल्मों के शौकीन थे, लेकिन नहीं पता था कि गहने बेचने का काम ही हिंदी सिनेमा में कदम रखने का पहला रास्ता है।

